Orchid

OSR SERIES

भूमि

उत्तर कुंजी

8

Orchid Publications (P) Ltd.

Endeavour Towards Holistic Education

1

ध्वनि
(Sound)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ख- वसंत ऋतु ग- प्रथम चरण घ- पुष्प से

लिखित Writing

2. क. कवि को विश्वास है कि अभी उसका अंत नहीं होगा। उसके अंदर जीवन जीने के लिए उत्साह, प्रेरणा और ऊर्जा कूट-कूटकर भरी है। एक मनुष्य तभी स्वय का अंत मान लेता है जब वह अपने अंदर के उत्साह को कम कर देता है।

ख. फूलो को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि उन कोमल कलियों को जो, आलस से भरी है और सुप्त अवस्था में पड़ी हुई है, उन्हें कोमल स्पर्श से जगाने का प्रयास करता है ताकि वे नींद से जागकर एक मनोहारी सुबह के दर्शन कर सके अर्थात् कवि उस युवा पीढी को नींद से जगाने का प्रयास करता है जो अपने जीवन के प्रति सचेत न रहकर अपना समय बर्बाद करती है।

ग. कवि पुष्पों की तंद्र और आलस्य दूर हटाने के लिए उनमें जीवन रूपी पराग का संचार करना चाहता है।

घ. इस ऋतु में पेड़ पौधे जहाँ नए पत्ते धारण कर लेते हैं, वहीं चारों ओर फूल खिल जाते है। आम के पेड़ो पर बौर आ जाते है, खेतों में सरसों के फूल खिल जाते हैं। कोयल की मधुर कूक आदि सब मिलकर वातावरण को मनमोहक बना देते हैं। जीवन उत्साह और उमंग से भर जाता है इसलिए वसंत को ऋतुराज कहा जाता है।

3. स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

4. क.(i) ख. (i) ग. (iii) घ. (i) ड. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

3. (1) वन- जंगल, कानन, अख्य (2)पुष्प- फूल, सुमन, कुसुम (3) स्वर्ण - सोना, कनक, सुवर्ण (4) पानी- जल, वारि, नीर (5) सम्मान - आदर, मान, प्रतिष्ठा

4. क. मौखिक ख. रोमन ग. भाषा घ. हिंदी

5. क. (i) ख (ii) ग. (iii) घ.(ii) ड. (ii)

2

ठेले पर हिमालय
(Thele par Himalaya)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क- बर्फ को निकट से देखने के लिए

ख- सोमेश्वर की घाटी के उत्तर में ऊंची पर्वतमाला के शिखर पर

ग- हिम-दर्शन ने

घ- बादलों से निकले हिमशिखर को लेखक ने एक छोटे चंचल बालक के समान बताया है।

लिखित Writing

2. क. लेखक और उनके मित्र डाक बंगले में ठहरे थे।

ख. दूसरे दिन घाटी से उतरकर लेखक और उनके मित्र बैजनाथ पहुंचे।

ग. बैजनाथ में गोमती नदी बहती है।

घ. सूरज डूबते समय बर्फ कमल के लाल फूलों के रंग की दिखाई दे रही थी।

ड. कल्यूर की रंग बिरंगी घाटी में अतुलित सौंदर्य बिखरा हुआ था।

3. क. लेखक अपने मित्रों के साथ हिम दर्शन के लिए अल्मोड़ा यात्रा पर गए। लेखक अपने एक मित्र के साथ एक पान की दुकान पर खड़ा था, तभी ठेले पर बर्फ की सिल्ली लाद हुए बर्फ वाला आया। उस बर्फ में से भाप उड़ रही थी। लेखक क्षणभर उसे देखता रहा और उठती भाप में खोया जा रहा। उसे ऐसा अनुभव हो रहा था कि यही बर्फ हिमालय की शोभा है। इसी शोभा को देखने ले। मित्रों के साथ कौसानी गया था। इस प्रकार उस बर्फ को देखकर ही लेखक को लगा कि 'ठेले पर हिमालय' शीर्षक सार्थक है।

ख. लेखक ने बर्फ बादलों के टुकड़े जैसी लगी थी जिसमें सफेद, रूपहला और हल्का नीला रंग शोभा दे रहा था। उसे ऐसा लगा जैसे घाटी के पार हिमालय पर्वत को बर्फ ने ढंक रखा हो। उसे ऐसे लग रहा था जैसे कोई बाल स्वभाव वाला शिखर बादलों की खिड़की से झाँक रहा हो।

ग. कोसी से कौसानी तक लेखक को अद्‌भुत प्राकृतिक दृश्य दिखाई दिए। उन्होंने लेखक को मंत्रमुग्ध कर दिया था। सुडौल पत्थरों पर कल-कल करती कोसी अद्‌भुत थी। सोमेश्वर की हरी भरी घाटी के उत्तर में ऊंची पूर्वतमाला के शिखर पर कौसानी बसा हुआ था। नीचे पचासों मील चौड़ी घाटी में हरे भरे कालीनों जैसी सुंदर वनस्पतियाँ फैली हुई थी। घाटी के पार हरे खेत, नदियाँ और वन क्षितिज के नीले कोहरे में छिप रहे थे। बादल के टुकड़े के हटते ही पर्वत राज हिमालय दिखाई दिया जो सुंदरता में अद्‌भुत था। ग्लेशियरों में डूबता सूर्य पिछले हुए केसर जैसा रंग विखराने लगा था। बर्फ कमल के फूलों जैसी प्रतीत हो रही थी।

घ. रसोइये ने लेखक और उनके मित्रों को खुशकिस्मत कहा क्योंकि उन्हें वहाँ पहुंचने वाले दिन ही बर्फ के दर्शन हो गए थे। उससे पहले 14 टूरिस्ट वहाँ आकर पूरा हफ्ता भर रुके परंतु उन्हें बादलों के कारण बर्फ दिखाई नहीं दी।

ड. सूरज डूबने के साथ ही उनकी हिम दर्शन की इच्छाएं और आशाएँ धूमिल हो गई थीं। जिस हिम दर्शन की आशा में लेखक अपने मित्रों के साथ बहुत समय से टकटकी लगाकर देख रहे थे वे उससे वंचित रह गए थे।

4. स्वयं करें।

5. क. (i) ख. (ii) ग. (iii) घ. (ii) ड (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. हिमालय - हिम का आलय - तत्पुरुष समास
शीर्षासन - शीर्ष का आसन - तत्पुरुष
जलराशि - जल की राशि - तत्पुरुष
पर्वतमाला - पर्वत की माला - तत्पुरुष
प्रसन्नवदन - प्रसन्न मुख वाले है जो (गणेशजी) - बहुव्रीहि समास
ख. बैठे-बिठाए, टेढ़े-मेढ़े, हरी-भरी, नाम-निशान

2. क. पर्वत, गिरि
ख. सूर्य, रवि
ग. पृथ्वी, भूमि
घ. तटिनी, सरिता
ङ. घन, मेघ
च. पंकज, जलज

3. क. भाग्यवान
ख. चौराहा
ग. आत्मलीन
घ. सुनसान
ङ. अपार
च. निष्कलंक

क्या निराश हुआ जाए?
(Why be Disappointed?)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. आरोप-प्रत्यारोप का वातावरण ख. संदेह की दृष्टि से ग. धर्म को घ. हजारी प्रसाद दुविवेदी

लिखित Writing

2. क. लेखक के अनुसार आज भी भारतवर्ष में सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए । वे दब अवश्य गए हैं लेकिन नष्ट नहीं हुए है इसलिए हताश नही होना चाहिए।

ख. ड्राइवर ने कंडक्टर को नई बस लाने भेज दिया था।

ग. तिलक और गाँधी जी ने एक भ्रष्टाचार - मुक्त, ईमानदार और विकसित भारत का सपना देखा था।

घ. इन दिनों हमारे समाज में निरीह,भोले – भाले और श्रमजीवी लोग पिस रहे है।

ड. समाचार पत्रों में ठगी, डकैतो, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते है। आरोप-प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है, देश में कोई ईमानदार आदमी नहीं रह गया है। यह सब देखकर लेखक का मन बैठ जाता है।

3. क. लेखक के अनुसार आज के समय में आरोप प्रत्यारोप का कुछ ऐसा वातावरण बन गया है कि देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। जो व्यक्ति जितने ऊंचे पद पर है उसमें उतने ही अधिक दोष दिखाई देते है। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।

ख. आए दिन हमे समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार के समाचार पढने को मिलते हैं। बडे से बड़े आदमी को भी संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। राजनैतिक पार्टियों भी एक-दूसरे पर दोषारोपण करती रहती है। वातावरण इतना दूषित है कि कोई भी ईमानदार दिखाई नहीं देता है। समाज में रुझान भी कुछ इस प्रकार का है कि वे ईमानदार व्यक्ति पर भी शक करते है। यही कारण है, कि आज का हर आदमी दोषी अधिक दिखाई देता है और गुणी कम ।

ग. लेखक दोषों का पर्दाफाश करना बुरा नहीं मानता है पर कई बार किसी के दोषों का पर्दाफाश करते समय हम उसने रस लेने लगते है और उसके दोषों का उद्घाटन करना ही अपना एक मात्र कर्तव्य मान लेते हैं जो सर्वथा अनुचित है। अत: लेखक दोषों का पर्दाफाश करते समय उनके उद्घाटन में रस लेने से बचने के लिए कहता है क्योकि बुराई में रस लेना ठीक नहीं है।

घ. बस में कुछ खराबी थी। वह रुक रुककर चल रही थी। गंतव्य से कोई आठ किलोमीटर पहले ही एक निर्जन स्थान पर बस ने जवाब दे दिया इसलिए यात्री घबरा गए।

ड. कुछ नौजवानों ने ड्राइवर को मारना पीटने का हिसाब बनाया क्यो कि उन्हें लगा कि ड्राइवर ने ही बस को खराब किया है और कंडक्टर को पहले ही डाकुओ के पास भेज दिया है। उन्हें लगा कि ड्राइवर का इरादा यात्रियों को लूटने का है।

4. स्वयं करें

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (ii) ख. (i) ग. (ii) घ. (ii) ड. (i)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1.

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
भारतवर्ष	समाचार-पत्र	ईमानदारी
हजारी प्रसाद दूविवेदी	बस	सच्चाई
नई दिल्ली	व्यक्ति	दरिद्रता
रवीन्द्रनाथ ठाकुर	ड्राइवर	मुर्खता

2. सम्मान – अपमान सुख-दुख
धर्म अधर्म स्वस्थ-अस्वस्थ
गुण अवगुण शिक्षित - अशिक्षित

ईमानदारी – बेईमानी　　　　जीवन - मरण

3. मनुष्यता – स्त्रीलिंग　　　　भारतवर्ष - पुल्लिंग
दया – स्त्रीलिंग　　　　अच्छाई - स्त्रीलिंग
टिकट – पुल्लिंग　　　　समाज - पुल्लिंग

4 अब्बू खाँ की बकरियाँ
(Abbu Khan's Goats)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. हिमालय पहाड़ पर अल्मोड़ा नाम की बस्ती में　　ख. बकरियाँ　　ग. एक बकरी　　घ. चाँदनी

लिखित Writing

2. क. बाड़े में रहना चाँदनी को पसंद नहीं था क्यों कि उसे अपनी आजादी प्यारी थी।
ख. अब्बू खाँ ने चाँदनी को रोकने के लिए उसे एक कोठरी में बंद कर दिया और ऊपर से साँकल चढा दी।
ग. अब्बू खाँ ने जिस कोठरी में चाँदनी को बंद किया था। उस कोठरी की खिडकी बंद करना भूल गए थे। उसी खिड़की से कूदकर चाँदनी भाग निकली।
घ. चाँदनी पहाड़ की खुली हवा में कूदती थी और ठोकरे खाती हुई आजादी की सांस लेती थी लेकिन गांव में उसे हर समय बंधन में रहना पड़ता है।

3. क. पहाड पर पहुंचकर चाँदनी कभी इधर उछली कभी उधर । वह कभी चट्टान पर कूदी तो कभी खड्डे में। दोपहर तक वह इतनी उछली कूदी कि शायद सारी उम्र में इतनी नहीं कूदी होगी। उसके बाद वह बकरियों के झुंड के साथ भी रही।
ख. चाँदनी भेड़िए से यह सोचकर लड़ी कि वह भले भेड़िए को नहीं मार सकती लेकिन मुकाबला करना जरूरी है। बिना लड़े हार मानना कायरता है।
ग. अच्छा खाना पीना मिलने के बाद भी हम बंधकर नही रह सकते। कोई भी परतंत्रता के बंधन में बंधकर नहीं रह सकता। सबको अपनी आजादी प्रिय होती है। हमे इस तरह से गुलामी में रहकर बिल्कुल अच्छा नहीं लगेगा।
घ. चाँदनी बहुत सुंदर थी। उसके बाल सफेद थे और सींग काले-काले थे।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

4. क. (i)　　ख (iii)　　ग.(i)　घ.(iii)　　ड. (i)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. खग विहग　　ख. वृक्ष, तरु　　ग. धन मेघ　　घ. जल, नीर　　ड. पर्वत, गिरि　　च. वायु, समीर

2. क. बकरियाँ ख. भेडिये ग. चिड़ियाँ घ. सीटियाँ

3. क. अमीर ख. गुलामी ग. बदसूरत घ. बुरा

गिरिधर की कुंफडलियाँ

(Girdhar's Kundaliya)

मौखिक Oral

1. क. मधुर वचन ख. क्योंकि उसकी आवाज मधुर होती है ग. अभिमान घ. गुणों की कद्र करने वाला व्यक्ति

लिखित Writing

2. क. मीठे वचन वचन सभी को भाते है। मधुर वचन बोलने वाला व्यक्ति सभी को प्रिय होता है।

ख. धन कभी भी हमेशा के लिए नहीं रहता । धन की तुलना पानी से की गई है।

ग. धन पाकर हमे अभिमान नहीं करना चाहिए क्यो कि वह एक जगह स्थिर नहीं रहता अर्थात् आता-जाता रहता है

घ. जो व्यक्ति बिना विचार किए काम करता रता है उसका काम बिगड़ जाता है और लोग उसकी मज़ाक उड़ाते है। ऐसे व्यक्ति का मन अशांत रहता है और उसे कुछ अच्छा नहीं लगता ।

ड. मधुर वचन बोलने वाले व्यक्ति को सभी के द्वारा पसंद किया जाता है।

3. क. कोयल की आवाज बहुत मधुर होती है और कौए की आवाज बहुत कर्कश ककश। । कोयल की आवाज सब सुनना चाहते है लेकिन कौए को सब दूर भगाना चाहते है। कौए की वाणी अपवित्र और व्याज्य लगती है।

ख. बीती बातो को भुलाने से ही लाभ है। इससे हम भविष्य में लाभ होने की बात को अच्छी तरह से सोच-समझ पाते हैं। घटित घटना से हमें निराग व हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। आगे के कार्य को सोच-समझकर, मन लगाकर करना चाहिए।

ग. कवि ने कुंडलियों के माध्यम से लोक-व्यवहार की शिक्षा दी है। कवि गिरिधर ने कहा है कि वकभी व्यक्ति को अपने धन का घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि यह तो आता जाता रहता है। व्यक्ति को हमेशा मधुर वचन बोलने चाहिए एवं विनम्रता से पूर्ण व्यवहार करना चाहिए । बीती हुई बातो को भुला देना चाहिए क्योंकि ये भविष्य की सफलताओं पर पर प्रभाव डालती है और बिना विचार किए कोई कार्य नहीं करना चाहिए।

घ. अच्छे और बुरे लोगों की पहचान उनके गुणों से की जा सकती है। कोयल और कौए का रंग एक सा होता है परंतु कोयल की आवाज सबके मन को भाती है और कौए को आवाज अपवित्र और त्याज्य होती है। अत: गुणी व्यक्ति को सभी पसंद करते हैं।

4. स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (iii) ख. (i) ग. (ii) घ. (i) ड. (iii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. बिना विचार किए काम करने वाला व्यक्ति बाद मे पछताता है।

वाक्य - मोहन ने झूठ तो बोल दिया, अब उस झूठ को छुपाने के लिए उसे कई झूठ बोलने पड़ रहे है इसे ही कहते हैं- बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताए ।

ख. साईं सब संसार मतलब का व्यवहार इस संसार में सभी मतलबी हैं।

वाक्य- जब तक खाला ने संपत्ति जुम्मन के नाम नही की तब तक तो उसने खाला की खूब खातिरदारी की लेकिन संपत्ति अपने नाम होते ही उसने खाला को पूछना ही बंद कर दिया। तभी तो कहते है- साईं सब संसार में मतलब का व्यवहार।

ग. चार दिन की चांदनी फिर अँधेरी रात- इस संसार में सभी मतलबी है।

वाक्य- कभी खुद पर घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात होने में समय नही लगता है।

2. अनुस्वार - जंगल, मंगल, रंग, घमंड, पंकज

अनुनासिक - आँख, हँसना, ऊंट, चाँद, काँच

3. (1)दौलत - धन, संपदा (2)संसार - लोक, जग (3)अभिमान- गर्व, दर्प (4)पाहुन - मेहमान, अतिथि

सोना
(Sona)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क.अपनी संतान को सुरक्षित बचाने के प्रयास मे ख.एक बालिका ग.उनके पास खेलने का अधिक समय होता था ।
घ.बिल्ली गोधूलि, कुत्ते, हेमंत- वसंत और कुतिया फ्लोरा ङ.स्नेही और अहिंसक

लिखित Writing

2. क. हिरण के बच्चे का शरीर कोमल और सुनहरे रंग का था ।

ख. हिरण की माँ ने अपने शावक को अपने शरीर की ओट में सुरक्षित रखकर अपने प्राण दे दिए।

ग. माली ने सोना को रस्सी से बाँधा था क्यों कि वह इधार उधर घूमती हुई कंपाउंड से बाहर निकल जाया करती थी ।

घ. कम्पाउंड के बाहर सोना को खादय तथा स्वाद प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियो से खतरा था ।

ड. अंधेरा होते ही सोना भक्तिन की कोठरी में आकर बैठा करती थी।

3. क. जब लेखिका के पास उस अनाथ शावक को लाया गया, उसी समय उसके बचने की आशा न के बराबर थी परंतु लेखिका ने उसे स्वीकार कर लिया। दूध पिलाने की शीशी, ग्लूकोज, बकरी का दूध आदि स्कत्रित करके लेखिका ने उसे पालने का कठिन कार्य शुरू किया। इस तरह लेखिका ने उसे बचाया

ख. सुबह के समय छात्रावास का वातावरण क्रियाशीलता से भरा होता था। कोई छात्रा हाथ मुंह धोती थी, कोई बालों में

कँघी करती थी, कोई साड़ी बदलती थी, कोई अपनी मेज की सफाई करती तो कोई पूजा करतो ।

ग. बाहर खड़े होने पर सोना सामने या पीछे से लेखिका के ऊपर छलाँग लगाती और सिर के ऊपर से दूसरी ओर निकल जाती थी। वह लेखिका के पैरो से अपना शरीर, रगड़ती और कभी साड़ी का छोर मुँह में भर लेती थी।

घ. फ्लोरा अपने बच्चों को सोना के पास छोड जाती थी क्योंकि उसे विश्वास था कि सोना उसके बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाएगी।

उ. बद्रीनाथ से लौटने पर लेखिका को सोना की मृत्यु हो जाने की दुखद खबर मिली।

च. लेखिका के बद्रीनाथ जाने पर सोना को उसकी कमी खलती थी इसलिए वह उसे ढूँढती हुई कंपाउंड से बाहर भागती थी।

छ. सोना कंपाउंड के बाहर जाना चाहती थी इसलिए उसकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए माली ने उसे रस्सी से से बाँधना शुरू कर दिया। एक दिन रस्सों को सीमा भूलकर वह बहुत ऊंचा उछली और मुँह के बल जमीन पर आ गिरी। इस प्रकार उसकी मृत्यु हो गई ।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

4. क. (iv) ख. (ii) ग. (iv) घ. (i) ड. (i)

5. क.अल्सभाव ख. धूमिल ग. गोधूलि, हेमंत बसंत, फ्लोरा घ. पिल्लों ङ स्नेही, अहिंसक च. पालने वाले, खाने वाले

6. स्वयं कीजिए।

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. गुत्थी ख. कर्ण ग. मृत्तिका घ. कक्ष ड. दुग्ध च. कर्म छ. दूर्वा ज. श्वास

2. क. नेत्र, नयन ख. कानन, अरण्य ग. पाहुन, अतिषि घ. सागर, जलधि ड. नया, नव च. मानव, नर

3. क. समर्थ ख. उजाला ग. निराशा घ. मृत्यु ड. बाहर च हिंसक छ. अप्रिय ज. सुख झ. गुरू अ. अंत

4. क. आज प्रधानाचार्य ने कुक्षा का निरीक्षण किया।
ख विदेश जाने के विचार से उसे कुछ आशंका हुई।
ग वह प्रथम प्रयास में ही सफल हो गया।
घ मुझे अचानक देखकर उसे विस्मय हुआ।
ड सागर अथाह गहरा होता है।।
च. हमने मंदिर की परिक्रमा की।

5. क. अमूल्य ख. दीवार ग. अतिथि व. अतिथि घ. गर्दन ड. प्रत्येक च. मानुष छ. स्नेही ज. गर्मी झ. पशु
ञ. निरीक्षण

6. क. वन की स्थली ख. स्नेह का प्रदर्शन ग. उतार और चढ़ात घ. ग्रीष्म का अवकाश ङ पंक्ति में बद्ध

जिनके हम मामा हैं!

(Of Which we are maternal Uncle)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. वाराणसी ख नहीं ग. मामा घ. कपडे और सामान चुराकर भाग गया।

लिखित Writing

2. क. प्रजातंत्र में सांसदों का चुनाव जनता करती है।
   ख. नहीं, हमारे चुने प्रतिनिधि हमारी समस्याएँ दूर नहीं करते है।
   ग. चुनाव के समय उम्मीद्वार स्वयं को जनता के सेवक बताते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं।
   घ. लड़के ने व्यक्ति को अपना मामा बताकर उसे ठग लिया ।

3. क. जो भी व्यक्ति वाराणसी आता है वह गंगा स्नान जरूर करता है इसलिए व्यक्ति ने गंगा स्नान की इच्छा व्यक्त की।

   ख. नहाकर निकलने के बाद व्यक्ति ने देखा उसका सामान गायब हो चुका था।

   ग. लेखक ने भारतीय वोटरों की तुलना उस व्यक्ति की है क्योंकि उस व्यक्ति की तरह ही वोटर के पास उम्मीदवार आते हैं, उनके पैर छूते हैं और वोट मांगते है किंतु चुनाव जीतने के बाद वे दिखाई भी नहीं देते।

   घ. चुनावों के अगले पांच वर्षों तक वोटर सबसे पूछते फिरते है कि वे साहब कहाँ है जिनके हम मामा है। पाँच साल इसी तरह तौलिया लपेटे घाट पर खडे बीत जाते है अर्थात् उम्मीदवार चुनाव से पहले वोटरों को लुभाते है और, स्वार्थ सिद्धि के बाद पाँच साल तक दिखाई नहीं देते।

   ङ. प्रस्तुत पाठ के दोनों चरित्र समाज के दो वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक चरित्र समाज के भोले-भाले वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है तो दूसरा उस वर्ग का जो भोले-भाले वर्ग को मूर्ख बनाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

4. क. (iv) ख (i) ग (ii)

5. स्वयं कीजिए।

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. अंग्रेजी :- स्टेशन, वोटर, एम.पी.
   उर्दू :- शख्स, खैर, नजर, साल, उम्मीदवार
   हिंदी :- वाराणसी, प्रजातंत्र,

2. क. मंदाकिनी, देवनदी ख. बालक, युवक ग. वस्त्र, चीर घ. पैर, पाँव

3. क. धार्मिक ख. सामाजिक ग. औद्योगिक घ. वैज्ञानिक ङ. आर्थिक

4. स्वयं कीजिए

5. राम, श्याम और सीता आएँगे।
   वे मेरे दादा जी है।
   यह लेख समाचार पत्र से लिया गया है।

8

अपूर्व अनुभव
(Unique Experience)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. अपने पेड़ पर चढ़ने के लिए ख. दूर तक आकाश और नीचे सड़क पर चलते लोग ग. क्योकि उसे पोलियो था
घ. रॉकी ड. मैदान में क्यारियों के पास

लिखित Writing

2. क. पेड पर तोत्तो चान ने यासुकी चान से कहा, "मेरे पेड़ पर तुम्हारा स्वागत है।"
ख. दोनो ने पेड़ पर खूब बाते की।
ग. यासुकी की बहन अमेरिका में रहती थी। उसने यासुको को टेलीविजन के बारे में बताया था।
घ. तोत्तो चान चौकीदार के छप्पर से घसीटते हुए सीढ़ी लाई।
ड. तोत्तों चान तथा - यासुकी चान के माता-पिता को पता नहीं था कि तोत्तों चान, यासुकी चान को पेड़ पर चढ़ाने वाली है।

3. क. तोत्तो चान ने माँ से झूठ बोला क्यों कि सच बताने पर वे इस काम के लिए तैयार नहीं होती अर्थात यदि तोत्तो चान माँ को यासुकी चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने वाली बात बताती तो है इसके लिए हाँ नहीं कहती।

ख. यासुकी चान के हाथ-पैर कमजोर होने के कारण वह सीढी पर नहीं चढ़ सका।

ग. तोत्तो चान को अपनी सारी मेहनत खराब लगने लगी क्योंकि यासुकी चान को सीढी पर से पेड़ पर लाने का हर प्रयास विफल हो रहा था।

घ. पेड़ पर चढ़कर यासुकी चान बहुत खुश हुआ।

ड. यासुकी चान ने बताया कि टेलीविजन एक डिब्बे की तरह होता है और जब वह जापान आएगा तो हम घर बैठे-बैठे ही उसमे सूमो कुश्ती देख सकेंगे।

च. वह सोचती रही कि सूमो पहलवान घर में स्थित किसी डिब्बे में किस प्रकार समा जाऐंगे, उनका आकार तो बहुत बड़ा होता है।

छ. पेड़ पर चढ़ना यासुकी चान के लिए अनोखा अनुभव था क्योंकि यासुकी चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह पहला और अंतिम मौका था।

4. स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (ii) ख. (ii) ग. (iii) घ. (ii) ड. (iii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. न्योता ख. लुभावनी ग. गरमी घ. चीर ड. चेहरा
च कोशिश छ. कितना ज ज़ोखिम झ. मौका ञ. नाज़ुक

2. क. निकत्साह ख. पाताल ग. अशिष्ट घ. झूठ ङ अनर्थ च. आखिरी छ. अस्थिर ज कठिन

3. पर - लेकिन, पंख — मत - राय, नहीं
उत्तर- दिशा, जवाब — पता - जानना, ठिकाना
परी - पूर्ण, खाने की पूरी — आम- फल, साधारण
कुल - वंश, जोड — चाल - गति, साजिश

4.

उद्देश्य	विधेय
मेरी बहन	अमरीका में है
तोत्तो चान	की रुलाई छूटने को हुई।
तोत्रो चान	का पेड सडक के पास था।
रॉकी	स्टेशन तक आया।
यासुकी चान	हँसने लगा।

5. विठियाकर - मीना ठिठियाकर हँसती है।
अक्सर - वह अक्सर यहाँ आता है।
इधर-उधर - मीरा हमेशा इधर-उधर की बाते करती है
धीरे – धीरे - रोहन धीरे - धीरे चलता है।
उलट-पुलटकर - बंदर गेंद को उलट-पुलटकर देख रहा था।

9 हम पंछी उन्मुक्त गगन वेफ

(Free To Fly in the Sky)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. उन्हें बंधन नहीं, अपितु स्वतंत्रता पसंद है। ख. कड़वा ग. पेड की ऊँची डाली पर
घ. सीमाहीन क्षितिज पर उड़ना ड. क्योंकि वे पिंजरे में बंद अर्थात बंधन में है।

लिखित Writing

2. क. पक्षियों के पंख पिंजरे की दीवारों से टकराकर टूट सकते है।
ख. बंधन में रहने के कारण पक्षी अपनी उड़ान भूल गए है और बस सपने में ही पेड़ की डालियों पर झूल रहे है।
ग. पिंजरे में बंद पक्षी की इच्छा है कि वे खुले आसमान में दूर तक उड़ान भरें तथा तारे रूपी अनार के दाने चुग लें।
घ. पक्षियों के प्रतिस्पर्धा होती है क्यों कि वे आकाश का अंतिम छोर देखना चाहते हैं या अपने प्राण त्यागना चाहते है।
ङ. पक्षी अपनी उड़ान की इच्छा पूर्ण करने के लिए अपना घोसला, डाली का सहारा आदि सब कुछ न्योछावर करने को तैयार है। उनका मानना है कि ईश्वर ने उन्हें सुंदर पंख दिए है इसलिए उनकी उड़ान में कोई बाधक न बने।

3. क. हर प्रकार की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिजरे में बंद नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें वहाँ उड़ने की आजादी नहीं है। उन्हें तो खुले आसमान में ऊंची उडान भरना, नदी - झरनों का बहता पानी पीना, कड़वी निबौरियाँ खाना, पेड की ऊंची डाली पर झूलना, कूदना, फुदकना अपनी पसंद के अनुसार अलग-अलग ऋतुओं में फलों के दाने चुगना और क्षितिज मिलन करना ही पसंद है। यहीं कारण है कि हर तरह की सुख-सुविधाओं को पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते।

ख. पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी निम्न इच्छाओं को पूरा करना चाहते हैं

1. वे खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं।
2. वे अपनी गति से उड़ान भरना चाहते है।
3 नदी झरनों का बहता पानी पीना चाहते हैं।
4. नीम की कड़वी निबौरियाँ खाना चाहते हैं।
5 पेड़ की ऊंची फुनगी पर झूलना चाहते हैं।
6. वे आसमान में ऊंची उड़ान भरकर अनार के दानों रूपी तारों को चुगना चाहते हैं।

ग. पक्षियों को पालना बिल्कुल उचित नहीं है क्योंकि ईश्वर ने उन्हें उड़ने के लिए पंख दिए पंख हैं, तो हमें उन्हे बंधन में रखना सर्वथा अनुचित है।

घ. इस पंक्ति में कवि पक्षियो के माध्यम से कहना चाहते हैं कि यदि मैं स्वतंत्र होता तो उस असीम क्षितिज से मेरी होड़ हो जाती। मैं इन छोटे-छोटे पंखों से उड़कर या तो उस क्षितिज से मिल जाता या फिर मेरा प्राणांत हो जाता।

4. क. कनक तीलियो से टकराकर ख. कनक कटोरी की मैदा से ग. चुगते तारक-अनार के दाने
घ. होती सीमाहीन क्षितिज से

5. स्वयं कीजिए

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

6. क. (iii) ख. (iv) ग. (ii) घ. (iii) ड. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. उसे भूखे-प्यासे लोगो को देखकर बहुत दुख हुआ। ख. पक्षियों की पंखों से होड़ा - होड़ी हो रही है।
ग. युद्ध में शत्रुओं के अंग छिन्न-भिन्न हो गए। घ. भागम भाग में काम नहरी करना चाहिए।

2. क. पक्षी - खग, विहग ख. सोना - स्वर्ण, कनक ग. पत्ता - पत्र पल्लव घ. आसमान - गगन, नभ

3. क. खाद्य ख. विस्मृत ग. अंग भंग

4. क. पिंजर बद्ध - पिंजरे में बंद - तत्पुरुष
ख. स्वर्ण श्रृंखला - स्वर्ण की श्रृंखला - तत्पुरुष
ग. बंधनमुक्त - बंधन से मुक्त – तत्पुरुष
घ. भूखे-प्यासे - भूख और प्यासे - द्वंद्व
ड. गंगनचुबी - गगन को छूने वाली – तत्पुरुष

मैं हूँ आपकी रक्तवाहिका

(I am your Blood Vessel)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. रक्त को लगातार पंप करना
   ख. बड़ी धमनियां
   ग. 1,10,000 किलोमीटर
   घ. दूषित रक्त को हृदय तक पहुंचाने के लिए मांसपेशियों और रक्त वाहिनियों में लचक का होना आवश्यक है।
   ङ. खून में पानी की कमी होने पर मनुष्य की हालत बहुत खराब हो जाती है।
   च. श्वेत कोशिकाएँ रक्त के कचरे को साफ़ करती हैं।

लिखित Writing

2. क. रक्त वाहिकाओं के तीनों रूपों के नाम हैं: धमनियां, शिराएं और कोशिकाएं।
   ख. हृदय के संकुचन के द्वारा धमनियों में उत्पन्न दबाव सदैव बना रहता है। इसी को 'रक्त दबाव' कहते हैं।
   ग. हमारे शरीर में एक सेकंड में 12 लाख लाल रक्त कण मर जाते हैं।
   घ. रक्त में लाल रक्त कण, श्वेत रक्त कण, कोलेस्ट्रॉल, शर्करा, नमक, चर्बी, एंजाइम, प्लाज्मा आदि पदार्थ मिले हैं।
   ङ. धमनियाँ हृदय से शरीर में रक्त पहुंचाती हैं जबकि शिराएं शरीर से हृदय की ओर गंदे खून को ले जाती हैं।

3. क. धमनियाँ हृदय से शरीर में रक्त पहुंचाती है। शिराएँ शरीर से हृदय की ओर गंदे खून को ले जाती है। कोशिकाएँ अति सूक्ष्म होती हैं।
   ख. रक्त को क्षति से रोकने के लिए हमारा शरीर प्लेटलेट्स का निर्माण करता है जिससे खून जम जाता है।
   ग. रक्त में संक्रामक रोगों से लड़ने वाले तत्वों को प्रतिकारक तत्व कहते हैं। ये संक्रामक रोगों से लड़ने का कार्य करते हैं।
   घ. यदि शरीर में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाए तो धमनियां कठोर हो जाती है।
   ङ. श्वेत कणों की अधिकता से ल्योकोमिया हो सकता है।

4. स्वयं करें।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (iii) ख. (ii) ग.(i) घ.(i) ङ.(i) च.(iii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

आत्मकथा - महात्मा गांधी जी की आत्मकथा प्रेरणादायक है।
प्रसारण - आज मैंने मैच का सजीव प्रसारण देखा।
प्राणायाम - हमें रोज प्राणायाम करना चाहिए।
आश्चर्यजनक - मेरे साथ आश्चर्यजनक घटना घटी।
प्रतिकारक तत्व - रक्त में कई प्रतिकारक तत्व होते हैं।
संक्रमण - मक्खी-मच्छर संक्रमण फैलाते हैं।

11

ताई जी
(Aunty)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. पिता के बड़े भाई की पत्नी ताई कहलाती है।
   ख. ताई दुबली-पतली और छरहरी थी।
   ग. नीलू शाह ताई जी के पिता थे।
   घ. सर्वरोगहर अर्क लेखिका के पिताजी तैयार करते थे।
   ड. जड़ी-बूटी से अर्क, काढ़ा, क्वाथ आदि बनाए जाते हैं।

लिखित Writing

2. क. ताई की दुनिया निराली थी क्योंकि अपने घर की प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति व गवर्नर वह खुद ही थी।
   ख. नीलू शाह महाराजा हरि सिंह के घोड़े खरीदते थे।
   ग. लेखिका को सबसे ज्यादा लगाव अपनी ताई से था।
   घ. ताई सुबह उठकर विसनपद (विष्णु-पद) गाती थी।
3. क. नीलू शाह महाराज हरि सिंह के घोड़े खरीदते थे।
   ख. डाकू नीलू शाह के यहाँ डाका डालने आए थे।
   ग. सब रोगों को दूर करने वाले अर्क को सर्वरोगहर अर्क कहते हैं।
   घ. ताऊ से झगड़ा होने पर ताई मायके जाने की धमकी देती थी।
   ड. आग की लौ में ताई का चेहरा किसी महिमामयी राख के जैसे दमकता था।
4. स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (iii) ख. (i) ग. (iv) घ. (ii) ङ. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. ख. संपन्न + ता = संपन्नता (Prosperity)
   ग. राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय (National)
   घ. प्रधान + ता = प्रधानता (Abundance)
   ङ. स्वर्ग + ईय = स्वर्गीय वाक्य-प्रयोग (Heavenly)
2. क. स्वर्गवास - ताई के पिता का स्वर्गवास हो गया था।
   ख. सर्वरोग हर - सर्वरोग हर अर्क लेखिका के पिताजी तैयार करते थे।
   ग. मित्रवत् - मोहन के पिताजी उसके साथ मित्रवत् व्यवहार करते थे।
   घ. राजमाता - महाराज, राजमाता की आज्ञा का पालन करते

3. 1. ख 2. घ 3. क 4. ग

12 आस्ट्रेलिया का एक विचित्रा प्राणी

(A Strange Animal of Australia)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. ऑस्ट्रेलिया में ख. छोटी ग. एक विशेष थैली घ. फसलों को चर जाते हैं। ङ. कंगारू घास खाते है। च. लंबी और बलशाली

लिखित Writing

2. क. ऑस्ट्रेलिया का अधिकांश भाग मरुस्थल है।

ख. कंगारू डेढ मीटर से लेकर आठ मीटर तक लंबी छलांग लगा सकता है।

ग. 'कंगारू' शब्द ऑस्ट्रेलिया के निवासियों की भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है "आप क्या जानना चाहते हैं?"

घ. ऑस्ट्रेलिया के लोग कंगारू की पूँछ को बड़े चाव से खाते हैं।

ङ. कंगारू का शिकार खेतों की रक्षा के लिए, मांस तथा चमड़ा प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

च. कंगारू की आंतों से धनुष की डोरी बनाई जाती है।

3. क. कंगारू को ऊंची-ऊंची घास और तपती हुई रेत फाँदने के लिए प्रकृति ने पिछली टांगें लंबी दी हैं। यह प्राणी अपनी पिछली टाँगों की सहायता से शत्रु से भी अपनी रक्षा करता है।

ख. यह थैली उसकी संतान के पालन पोषण और उसकी रक्षा में उसकी सहायता करती है।

ग.कंगारू रेतीली भूमि पर पाए जाते हैं।

घ. आस्ट्रेलिया निवासी मांस और चमड़ा प्राप्त करने के लिए कंगारू का शिकार करते हैं। वहाँ के लोग इसको पूँछ को बड़े चाव से खाते हैं।

ङ. कंगारू की लंबी पूँछ इसे इलॉग लगाने और बैठने में सहायता देती है। पूँछ के सहारे कंगारू इस प्रकार बैठ जाता है मानो कुर्सी पर विराजमान हो।

4. क. प्राणी ख. थैली ग. मरुस्थल घ. सिरों ङ. विशेषता च. वंश छ. समस्या

5. (i) ङ (ii) घ (iii) ख (iv) ग (v) क ङ.

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

6. क. (ii) ख. (i) ग. (iii) घ. (i) ङ. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. सर्दी ख. पास ग. पिता घ. मांसाहारी ङ. बड़ी च. शक्तिहीन

2. क. माता ख. पूँछ ग. खेत घ. टाँग ङ. थैली च. फ़सल

3. क. लालन और पालन - द्वंद्व समास
ख. चलने और फिरने - द्वंद्व समास
ग. उछल और कूद - द्वंद्व समास
घ. माता और पिता - द्वंद्व समास
ङ. कूदती और फाँदती - द्वंद्व समास
च. घर और बाहर - द्वंद्व समास

कर्मवीर
(Karmveer)

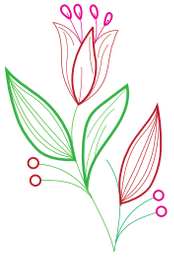

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. जो व्यक्ति कर्म करता है, परिश्रमी है, वही कर्मवीर है।
ख: भाग्यवादी मानत सिर्फ भाग्य के भरोसे बैठा रहता है,
ग. कठिन कार्य दृढ़ निश्चय और कठिन परिश्रम से संभव बनाया जा सकता है।
घ. कर्मवादी, कर्म करने में विश्वास रखते हैं जबकि भाग्यवादी परिश्रम करने की बजाय भाग्य के भरोसे बैठे रहते हैं।

लिखित Writing

2. क. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमे मुसीबतों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि हिम्मत से उनका सामना करना चाहिए।
ख. 'दूसरों का मुँह ताकते रहना' से कवि का अभिप्राय दूसरों के भरोसे बैठे रहने से है।
ग. वक्त आने पर कर्मवीर पुरुष शेर का भी सामना कर सकते हैं।
च. हमारे जीवन में समय का बहुत महत्त्व है। समय अनमोल है इसलिए हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए अर्थात सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करना चाहिए / बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता।
ङ. "कौन-सी गाँठ जिसको वे खोल सकते नहीं, का आशय है कि कर्मवीर बड़ी से बड़ी समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं।

3. स्वयं कीजिए

4. जो कभी अपने समय को यों बिताते हैं नहीं, काम करने की जगह बातें बनाते हैं नहीं।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (ii) ख. (i) ग. (iv) घ.(iii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. शब्द- निर्माण
   विविध + ता = विविधता
   चंचल + ता = चंचलता
   व्यग्र + ता = व्यग्रता
   दयालु + ता = दयालुता

2. आन - हमें देश की आन की रक्षा करनी चाहिए।
   कठिन - हमें कठिन परिश्रम से जी नहीं चुराना चाहिए।
   चाँदनी - चाँद की चाँदनी शीतलता प्रदान करती है।
   धूप - आज अच्छी धूप खिली हुई है।

3. क. बातें बनाना : - बातें बनाने से कभी कोई काम नहीं होता।
   ख. लोहे के चने चबाना : - कर्मवीर लोग लोहे के चने चबाने से भी पीछे नहीं हटते।
   ग. नौ दो ग्यारह होना:- चोर, चोरी करके नौ दो ग्यारह हो गया।
   घ. आलसी के लिए गंगा बड़ी दूर- मोहन कभी कुछ नहीं कर सकता क्योंकि आलसी के लिए गंगा बड़ी दूर होती है।

यक्ष–प्रश्न
(Yaksha Question)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. महाभारत से ख. युधिष्ठिर ने ग. मछली घ. हिरन का ङ. पिता

लिखित Writing

2. क. यक्ष कुबेर का अनुचर था।
   ख. यक्ष ने 'धर्मवीर' कहकर युधिष्ठिर को संबोधित किया।
   ग. पाँचों भाई प्यास से व्याकुल थे।
   घ. युधिष्ठिर ने सहदेव को नकुल की खोज करने के लिए भेजा।
   ङ. पेड़ पर चढ़कर नकुल ने पानी के लिए देखा।

3. क. बिना किसी के संज्ञान में आए किसी अपरिचित स्थान व अज्ञात स्थान पर रहना अज्ञातवास कहलाता है।
   ख. युधिष्ठिर ने यक्ष से नकुल को सर्वप्रथम पुनर्जीवित करने का वर माँगा क्योंकि नकुल माता माद्री का पुत्र था और वे चाहते थे कि दोनों माताओं का कम से कम एक पुत्र तो जीवित रहे।
   ग. पाठ के अनुसार मरणोन्मुख व्यक्ति का मित्र उसके द्वारा किया गया दान-पुण्य है।

घ. संसार की सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि किसी के मरने पर लोग ऐसे दुखी होते हैं, जैसे वे स्वयं कभी नहीं मरेंगे जबकि एक दिन उन्हें भी मरना होता है।

ङ. संसार में सुखी वही प्राणी है जो चिंता-मुक्त है।

च. यक्ष ने नकुल, सहदेव, अर्जुन और भीम को जलाशय का पानी पीने से पहले चेतावनी दी थी कि यदि वे उनके प्रश्नों का उत्तर दिए बगैर पानी पिएंगे तो बेहोश हो जाएंगे। उन्होंने यक्ष की चेतावनी के बावजूद पानी पिया और बेहोश हो गए।

4. स्वयं कीजिए

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (iii) ख. (iii) ग. (i) घ. (i) ङ. (iii) च. (i)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. क. परमेश्वर ख. पुनर्जीवन ग. उज्ज्वल घ. योद्धा ङ. निस्संदेह च. संधि छ. संसार
   ज. युधिष्ठिर झ. संयोग

2. क. अदृश्य ख. मरणासन्न ग. पिपासु घ. जिज्ञासा ङ. धर्मनिष्ठ च. प्रशंसनीय

15

गाँव और शहर
(Village and City)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. खुली धूप, ताजी हवा और हरियाली
   ख साफ, स्वच्छ एवं हरियाली से पूर्ण
   ग शौचालय, स्नानघर, प्रकाश की व्यवस्था एवं गंदगी
   घ दूध, घी, अनाज, लकड़ी, फल आदि
   ङ ग्रामीण जीवन कृषि पर आधारित है जबकि शहरों मे कारखानों एवं इमारतों की भरमार है।

लिखित Writing

2. क. गाँव और शहर में बहस छिड़ गई है।
   ख. गाँव की खुली धूप, साफ हवा, आसपास के लहलहाते खेत और बाग-बगीचों की हरियाली आदि खूबियाँ सबको आकर्षित करती हैं।
   ग. प्रदूषण धुएँ, धूल, गंदे स्थान, गंदी वस्तुओं, गंदे जल आदि से होता है।
   घ. दूध, दही, घी, हरी सब्जी, ताजे फल, खाने का शुद्ध तेल, गुड़, इख, दाल और अनाज पौष्टिक भोजन के आधार हैं।
   ङ. कृषि के साथ-साथ गाँव के लोग पशु पालन भी करते हैं।

3. क. गाँव के लोग दूध, दही, घी, गुड़, हरी सब्जी और ताजे फलो का सेवन करते हैं।
ख. शहरों में स्कूल, कॉलेज, सिनेमा, अस्पताल, बिजली और रोज़गार के कारण लोग शहरों में आकर रहना चाहते हैं।
ग. पशु-पालन के कारण लोगों को शुद्ध दूध, दही और घी सरलता से प्राप्त हो जाता है।
घ. भारत के 70% लोग कृषि पर निर्भर है। यहाँ कृषि तथा पशु-पालन पर लोग बहुत हद तक निर्भर है इसलिए भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है।
ड. गाँव हमे अनाज, दूध, घी, फल, लकड़ी आदि देते है और शहर के कारखाने हमें दैनिक उपयोग की वस्तुएँ प्रदान करते हैं। शहर के उपयोग के लिए कच्चा माल प्राप्त होता है इसलिए गाँव और शहर एक-दूसरे के पूरक है।

4. क. रेल और मैट्रो :- मैट्रो रेल प्राय कम दूरी की के लिए होती है और बड़े शहरों में ही चलाई जाती है जबकि साधारण रेल सेवा लंबी दूरी के लिए होती है और पूरे देश में चलाई जाती है।
ख. शहरी आवास और ग्रामीण आवास :- शहर में रहने की सुविधाएँ जैसे घर, मकान, फ्लैट आदि शहरी आवास के अंतर्गत आते हैं जबकि गाँव में रहने की सुविधाएँ जैसे झुग्गी, झोपड़ी, घर आदि ग्रामीण आवास के अंतर्गत आते है। शहर के मकान कई कई मंजिल ऊंचे और आपस में सटे होते है।
ग. कृषि एवं बागवानी : - कृषि के अंतर्गत फसलों की खेती आती है जबकि बागवानी कृषि की एक शाखा है जिसमें फूलों, फलों और औषधियो आदि की खेती आती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (ii) ख. (iv) ग. (i) घ.(iv) ड. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. (i) योग्य + ता = योग्यता (ii) सुंदर + ता = सुंदरता (iii) मधुर + ता = मधुरता (iv) विशाल + ता = विशालता (v) चपल + ता = चपलता

2. (i) सप्ताह + इक = साप्ताहिक (ii)धर्म + इक - धार्मिक (iii) मध्यम + इक = माध्यमिक (iv) कर्म + इक = कर्मिक

3. 1. ग 2. क 3. ख 4. घ 5. च 6. ड

16 साहसी बेटियाँ:जिन पर हमें नाज है

(Courageous Daughters: we are proud upon)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. कल्पना चावला, बछेंद्रीपाल, किरण बेदी ख. करनाल (हरियाणा) मे। जुलाई 1961 को ग. उत्तराखंड मे
घ. आईपी0 एस0 (भारतीय पुलिस सेवा) ड. कल्पना - 1

लिखित Writing

2. क. कल्पना चावला का यान। फरवरी, 2003 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उनका यान पृथ्वी से कुछ मिनट की दूरी पर ही भयानक धमाके के साथ नष्ट हो गया।

ख. एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाली प्रथम महिला बछेंद्री पाल थी ।

ग. बछेंद्री पाल का जन्म वर्ष 1954 में उतरकाशी के चमोली जिले में हुआ था।

घ. क्रेन से गाड़ियों को उठवाने के कारण उन्हें 'क्रेन बेदी' कहा जाने लगा ।

ड. 1982 में गंगोत्री ग्लेशियर तथा 'रुड गैरा' पर्वत की चदाई के बाद बछेंद्री पाल का आत्मविश्वास बढ़ता गया।

च. कल्पना ने वैमानिकी की डिग्री पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ से प्राप्त की।

3. क. कल्पना ने अमरीका के टेक्सास विश्वविद्यालय से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में एम एस सी की डिग्री ली तथा कोलराडो विश्वविद्यालय से 1998 में एयरोस्पेस में पी0 एच0 डी0 की डिग्री प्राप्त की।

ख. बछेंद्री पाल के गाँव के निकट नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग का कैंप लगा था।

ग. बछेंद्री ने एवरेस्ट की चोटी पर 23 मई, 1984 को तिरंगा फहराया।

घ. किरण बेदी ने 'नवज्योति' और 'इंडिया विजन' नामक संस्थाएँ खोलकर लोगो को नशाखोरी खोरी से मुक्त कराने की पहल की। यहाँ उनका इलाज और पुनर्वास होता था ।

ड. बछेंद्री को बचपन में 5 किमी पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। जब पिता ने पढ़ाई का खर्च उठाने से मना कर, दिया तब बहेंद्री ने सिलाई का काम कुरक पढ़ाई का खर्च जुटाया। किरण बेदी के परिवार का माहौल पुरुष प्रधान था। इनके दादा ही घर के तानाशाह थे। इसके बावजूद किरण ने अपने साहस और आत्मविश्वास के बल पर अपना लक्ष्य प्राप्त किया ।

4. स्वयं कीजिए ।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

5. क. (i) ख. (ii) ग. (i) घ. (i) ड. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. असंभव को संभव कर दिखाना:- बहेंद्री ने अपने आत्मविश्वास से असंभव को भी संभव कर दिखाया।

लोहा मानना :- हमारे देश की वीरांगनाओं का पूरी दुनिया ने लोहा माना ।

रोमांचित होनाः - वह ताजमहल की सुंदरता देखकर रोमांचित हो गया ।

इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित करना :- कल्पना ने अपने कठिन परिश्रम के द्वारा अपना नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित करा लिया।

मिसाल :- किरण बेदी सभी के लिए एक मिसाल है।

2. अपारदर्शी :- जिसके आर-पार न देखा जा सके ।

पारदर्शी - जिसके आर-पार देखा जा सके।

प्रत्यक्षदर्शी - जिसने सामने घटना देखी हो ।

दृश्य - जो सामने दिखाई दे रहा हो ।

दूरदर्शी - दूर की सोचने वाला ।

3. आई0 पी0 सी0 - इंडियन पेनल कोड

आई0 ए0 एस0 - इंडियन एडमिनस्ट्रेटिव सर्विस

पी0 एफ0 एस0 - प्रोविडेंट फंड सर्विस

पी0 एच0 डी0 - डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

एम0 एस0 - मास्टर ऑफ सर्जरी

एम0 बी0 बी0 एस0 - बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

17

सूर वेफ पद
(Verses of Surdasa)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. खीझते है, जम्हाई लेते है, कभी घुटनों के बल चलते हैं तथा कभी भौंह टेढ़ी करते हैं।
   ख. धरती पर लोटने के कारण
   ग. वे कहते है कि मैं नंद बाबा का पुत्र हूँ तथा आपका पुत्र नहीं कहलाऊंगा।
   घ. श्री कृष्ण के बड़े भाई
   ड. सूरदास जी

लिखित Writing

2. क. बालक कृष्ण माखन खाते है। वे घुटनों के बल चलते है, मिट्टी में लोटते है तो कभी झुककर बालों को खीचते हैं। कभी आँखों में आँसू ले आते है। उनका यह रूप बहुत ही मनमोहक लगता है।

ख. कृष्णजी अपनी बात मनवाने के लिए अपनी माँ को धमकियां देते हुए कहते हैं कि अगर वे चंद्र-खिलौना लाकर नहीं देगी तो वे उनके पुत्र नहीं कहलाएंगे। वे स्वयं को नंद बाबा का पुत्र कहलवाएँगे । वे धरती पर लेट जाएँगे और माता की गोद में नहीं आएँगे। वे गाय का दूध नही पिएँगे।

ग. जब माँ यशोदा उनके लिए नई दुल्हन लाने की बात कहती हैं तब वे तुरंत विवाह करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

3. स्वयं कीजिए।

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

4. क. (iv) ख. (iv) ग. (ii) घ. (i) ड. (iv)

18

हार की खुशी
(Happiness of Defeat)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. हरिकृष्ण देवसरे, हार की खुशी ख. शिव मंदिर ग. जो मेहनत नहीं करता घ. परीक्षा फल ड. रवि

लिखित Writing

2. क. रवि अपनी छमाही परीक्षा में असफल हो गया था।

ख. सभी अध्यापको ने रवि को टोकना बंद कर दिया क्यो कि उस पर किसी की भी बात का कोई असर नहीं होता था।

ग. रवि ने किशन के समझाने पर उसे उत्तर दिया, "तुम तो बेकार परेशान होते हो । मैं बस उतना ही पढ़ता हूँ, जितना जरूरी है।

घ. पुजारी ने रवि से कहा कि भगवान शिव का जिसे आशीर्वाद प्राप्त होता है, वह कभी असफल नहीं हो सकता। शिव जी का दर्शन करने जरूर आना। वे ही सहारा देगे,कष्ट दूर करेंगे।

ड. माँ ने रवि से मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा क्योंकि उसके पिता की यही इच्छा थी।

3. क. रवि के पिता जी की इच्छा थी कि वह खूब पढाई करे।

ख. रवि एक लापरवाह लड़का था । उसका मन पढाई में नहीं लगता था।

ग. किशन सोचता रहा कि रवि की मां कितने कष्ट उठाकर उस पढ़ा रही है और रवि पढाई मे ध्यान ही नहीं लगाता ।

घ. पुजारी ने रवि को समझाया कि भगवान अपने भक्तों पर हर पल नजर रखते है। भगवान शिव अगर प्रसन्न हो जाए तो मुँह मांगा वरदान देते है और यदि नाराज हो जाएँ तो तुम्हें भस्म कर सकते है।

ड. रवि अब देर रात तक पढ़ने लगा था और सुबह भी जल्दी उठ जाता था और पढ़ाई में ध्यान लगाता था। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन निकट आ रहे थे, रवि और गंभीर होता जा रहा था।

4. क. पुजारी ने रवि से ख. रवि ने पुजारी से ग. रवि ने किशन से घ. रवि की मां ने रवि से ड. रवि ने किशन से

5. क. महीने ख. लापरवाह, मन ग. होमवर्क घ. परीक्षा ड. पिकनिक च. प्रथम

6. 1. रवि लापरवाह था। उसका मन पढ़ाई में नहीं लगता था
2 वह दोस्तो के साथ गप्पे मारता था।
3 वह अध्यापको की सलाह भी नही मानता था।
4 वह प्रतिदिन शिव जी के मंदिर जाता था और उनकी पूजा करता था ।
5 वह खेल में रुचि लेता था

7. क ✓ ख ✓ ग ✓ घ × ड × च ×

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

8. क. (iv) ख. (iv) ग. (ii) घ. (ii) ड. (ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1.

नाराज – खुश	स्थिर - अस्थिर
असफल – सफल	प्रथम -अंतिम
भाग्यशाली – दुर्भाग्यिशाली	कुशल - अकुशल
शिष्ट – अशिष्ट	विवेक - अविवेक

2.

पवन – हवा	अफसोस - दुख
मजदूर – श्रमिक	परिवर्तन – बदलाव
डर – भय	शेष - बाकी
निकट – पास	कोशिश - प्रयत्न

3. निष्कर्ष : दो घंटे बाद भी वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा।
कुशल : घर में सब कुशल है।
धैर्य : विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखो ।
मनमोहक : - वाह । बडा मनमोहक दृश्य है।
डोरी : इस डोरी को वहाँ बाँध दो ।
अचानक : वह अचानक ही आ गया

19 दुग्ध गंगा के भगीरथ–वर्गीज कुरियन
(The king of Milk Industry Verghese kurien)

मौखिक Oral

1. क. 26 नवम्बर, 1921 को
ख. वे एक शल्य चिकित्सक थे।
ग. संयुक्त राज्य अमरीका में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से
घ. वर्गीज कुरियन
ड. डॉ0 कुरियन के एक मित्र और डेयरी विशेषज्ञ एच. एम. दलाया ने

लिखित Writing

2. क. 'अमूल' को स्थापना त्रिभुवन दास पटेल के नेतृत्व में की गई।
ख. अमरीका से लौटने के बाद वर्गीज कुरियन ने आनंद स्थित सरकारी दुग्धशाला में नौकरी की।
ग. मन न लगने पर भी कुरियन आनंद अपने मित्र त्रिभुवन दास पटेल के कारण रुके ।
घ. कुरियन द्वारा चलाया गया विश्व का सबसे बड़ा कार्यक्रम "ऑपरेशन फ्लड" था।
ड. डॉ0 वगीज कुरियन को 'पद्म विभूषण', 'विश्व खाद्य पुरस्कार" सामुदायिक नेतृत्व के लिए "रेमन मैग्सेस सम्मान", 'कार्नेगी-वाटलर विश्व शांति पुरस्कार' तथा 'अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

3. क. 'अमूल' ब्रांड दूध, दही, पनीर, लस्सी, छाछ, घी, आइसक्रीम, मिष्टि दोई, श्री खंड आदि उत्पादों से जुड़ा हुआ है।
ख. कुरियन के भगीरथ प्रयासों ने भारत को दो दशको के भीतर ही दूध आयातक से दूध व दुग्ध उत्पादों का निर्यातक बना दिया। उन्होने भारत में सहकारी व्यवस्था को एक नई दिशा प्रदान की।
ग. त्रिभुवन दास पटेल 'अमूल' के अध्यक्ष थे।
घ. आज पूरे देश में लगभग 200 डेमरियो मे 10 मिलियन किसान प्रतिदिन 20 मिलियन लीटर से भी अधिक दुग्ध का उत्पादन कर रहे है। गुजरात के लगभग 1600 गावों के 30 लाख किसान सदस्य अमूल समूह का अभिन्न अंग है।
ड. भारतीय दुग्ध उद्योग को विश्व में सर्वोच्च स्थान दिलाने का श्रेय डॉ0 वर्गीज कुरियन और त्रिभुवन दास पटेल को जाता

है।

च. वर्गीज कुरियन द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन फ्लड विश्व का सबसे बड़ा कृषिगत विकास कार्यक्रम था। इसी कार्यक्रम ने उन्हें 'श्वेत क्रांति के जनक' की उपाधि दी। ऑपरेशन • फ्लड ने भारत को विश्व के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक के रूप में स्थापित किया।

4. स्वयं कीजिए

5. क. त्रिभुवनदास पटेल ख. एच. एम. दलाया ग. श्री लाल बहादुर शास्त्री घ. 1973 च. ऑपरेशन फ्लड

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

6. क.(iii) ख. (ii) ग. (iii) घ. (iii) ड. (iii) च. (ii) छ. (iv)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. (i) गुण + वान = गुणवान (ii) दूध + वाला - दूधवाला (iii) उद्यम + ई = उद्यमी (iv) समुदाय + इक = सामुदायिक

2.

घोषित – कुपोषित	परिणाम - दुष्परिणाम
साधारण – असाधारण	ध्वनि - प्रतिध्वनि
पूर्ण – अपूर्ण	गुण-अवगुण
सामाजिक – असामाजिक	कीर्ति - अपकीर्ति
भिन्न – विभिन्न	ज्ञान- अज्ञान

3. आयात
औद्योगिक
आविष्कार
अतुलनीय

4. मार्गदर्शन - गार्ग का दर्शन - तत्पुरुष
दुग्धशाला - दुग्ध की शाला - तत्पुरुष
योगदान - योग का दान - तत्पुरुष
गुणगान - गुण का गान - तत्पुरुष
पशुपालन - पशु का पालन - तत्पुरुष

5. शुभारंभ - शुभ + आरंभ
अंतर्राष्ट्रीय - अंतर + राष्ट्रीय
तत्कालीन - तत् कालीन
पावन - पौ+ अन
सम्मान - सम् + मान

6. हाथ बँटाना - सहायता करना - हमें अपने दोस्तों का हा बंटाना चाहिए।
दिन दुगनी रात चौगुनी - उन्नति करना - मोहन जब से शहर से आया है तब से दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है
श्री गणेश करना - आरंभ करना - आज राघव ने अपनी नई दुकान का श्रीगणेश किया
पलके बिछाना - प्रेम से स्वागत करना - श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियो ने पलकें बिछाईं।

20

संघर्ष
(The Struggle)

अभ्यास Exercise

मौखिक Oral

1. क. इंग्लैंड के प्रसिद्ध वकील साइमन की अध्यक्षता में
   ख. साइमन कमीशन के विराध में
   ग. 17 नवंबर 1928 को
   घ. भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त

लिखित Writing

2. क. बसंती देवी श्री चितरंजन की पत्नी थी।
   ख. कांतिकारियों को संस्था का नाम हिंदुस्तान रिपब्लिक आर्मी था।
   ग. असेंबली में पब्लिक सेफ्टी बिल पर बहस होने जा रही थी।
   घ. क्रांतिकारी लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लेना चाहते थे ।
   ड. सांडर्स दवारा लाठियाँ बरसाने पर लाला लाजपत राय की मृत्यु हुई।
   च. फाँसी की सजा भगत सिह राजगुरु और सुखदेव को दी गई।

3. क. बसंती देवी ने देश के युवाओं को आगे बढने की प्रेरणा दी।
   ख. क्रांतिकारी जलियांवाला बाग हत्याकांड, लाला जी की हत्या और पब्लिक सेफ्टी जैसे काले कानून को पास होने पर गुस्सा थे।
   ग. असेंबली में बम फेंकते समय क्रांतिकारियो को इस बात का ध्यान रखना था कि आम जनता को कोई हानि न पहुंचे।
   छ. ब्रिटिश सरकार के बढ़ते अन्याय और उन तक अपनी बात पहुँचाने के लिए असेबली में बम फेंका गया।
   ड. भगत सिंह ने गुरु गोविंद सिंह, छत्रपति शिवाजी, कमाल पाया रजा खो वाशिंगटन, गैरीवाल्डी, लोकोयेत और लेनिन के आदर्शों का उदाहरण दिया।
   च. लाहौर के केंद्रीय कारागार में 23 मार्च, 1931 को भगन सिंह, सुखदेव और शिवराम राजगुरु को फाँसी की सजा सुनाई गई।
   छ. 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। गीत कोठरियों से निकलते समय क्रांतिकारियो की जबान पर था।

4. स्वयं कीजिए

5. (क) सांडर्स (ख) भारतीय, कम (ग.) जलियाँवाला बाग हत्याकांड, पब्लिक सेफ्टी बिल (घ) भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त (ङ) लेनिन की जीवनी (च) 23 मार्च, 1931

बहुविकल्पीय प्रश्न Multiple Choice Questions

6. क(i) ख (ii) ग(iv) घ(i) ड(ii)

व्याकरण पर आधारित प्रश्न Grammar Based Questions

1. निरपराध

अप्रत्याशित
असहनीय
अनिवार्य
निराधार

2. स्व + देशी = स्वदेशी
निर् + अपराध = निरपराध
पर + अधीन = पराधीन
सत + आचार = सदाचार
अ + विलंब = अविलंब
अ + सतोष = असंताय
निर् + उत्तर = निरुत्तर
ला + परवाह = लापरवाह

3. मस्तक – माथा
नारी महिला
शत्रु दुश्मन
आदेश - आज्ञा
नर आदमी
वीर - बहादुर

4. मंद – तीव्र
कायर वीर
धर्म – अधर्म
देश – विदेश
शांत - अशांत
उपस्थित - अनुपस्थित
अब्ला सबला
हानि - लाभ

5. शिष्टाचार - शिष्ट + आचार
हिमालय - हिम + आलय
परमात्मा - परम + आत्मा
सूर्योदय - सूर्य +उदय
अत्याचार अति + आचार

6. खून खौलना :- बहुत क्रोधित होना - उसे झूठ बोलता देख मेरा खून खौल गया ।
खून ठंडा पड़ना - उत्साह न रहना - मोहन से तो कुछ कहना ही बेकार है, उसका तो खून ठंडा पड़ चुका है।
कान पर जून रेगना - कोई असर न होना - माधव को इतना समझाया परंतु उसके कानों पर तो जूं तक नहीं रेंगती ।
घुटने टेकना - हार मान लेना - पाकिस्तान को भारत के सामने हर बार घुटने टेकने पड़ते है।
जान पर खेलना - जोरितम उठाना - भारतीय सैनिक देश की रक्षा के लिए जान पर भी खेल जाते है।